यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस

CO-CURRICULAR ACTIVITIES

13. दिनांक 24.02.2021, हैप्पीनेस सेंटर का उद्घाटन एवं 'सहज प्रसन्नता के उपाय' विषय पर व्याख्यान

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** में स्थापित **हैप्पीनेस सेंटर** का उद्घाटन, उद्घाटन प्लेक (Plaque) के अनावरण द्वारा **मुख्य अतिथि– जगद्गुरू स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी, पद्म विभूषण, कुलाधिपति, जगद्गुरू राम भद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उ0प्र0** एवं **प्रो0 नीलिमा गुप्ता, कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर** ने किया। **इस अवसर पर** आचार्य **श्री रामचन्द्रदास (जय महाराज), उत्तराधिकारी, युवराज, श्री तुलसीपीठ सेवा न्यास, चित्रकूट, डॉ0 अनिल कुमार यादव, कुलसचिव, प्रो0 संजय स्वर्णकार, डीन एकेडमिक्स, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, डा0 प्रवीन कटियार, कोआर्डिनेटर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** व अन्य शिक्षकगण, अधिकारीगण, चिकित्सकगण में **डा0 वी0सी0 रस्तोगी, डा0 सविता रस्तोगी**, कर्मचारीगण व विद्यार्थी उपस्थित थे। **इस अवसर पर मुख्य अतिथि जगद्गुरू स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी ने संस्थान के लॉन में पादप रोपण भी किया।**

हैप्पीनेस सेंटर के निम्न उद्देश्य हैं–

- स्वयं और साथी व्यक्तियों की भलाई का प्रबंधन करना।
- सकारात्मक भावनाओं के साथ कार्य का वातावरण बनाना।
- सांस्कृतिक अंतर को स्वीकार करना और सामूहिक रूप से परंपराओं का आनंद लेना
- अंतर–व्यक्तिगत कौशल को मजबूत करना।
- तनाव से मुक्त और खुशी से भरा आनंदमय वातावरण बनाना

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर हैप्पीनेस सेंटर की स्थापना करने वाला उ0प्र0 का प्रथम राज्य विश्वविद्यालय है।

विश्वविद्यालय के सभागार **'सहज प्रसन्नता के उपाय'** विषय पर एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे– **जगद्गुरू स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी, पद्म विभूषण, कुलाधिपति, जगद्गुरू राम भद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उ0प्र0। व्याख्यान का उद्घाटन** कार्यक्रम अध्यक्ष–**प्रो0 नीलिमा गुप्ता,** कुलपति, सी.एस.जे.एम.यू. कानपुर, मुख्य अतिथि– **जगद्गुरू स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी, पद्म विभूषण,** विशिष्ट अतिथि–आचार्य **श्री रामचन्द्रदास (जय महाराज),** उत्तराधिकारी, युवराज, श्री तुलसीपीठ सेवा न्यास, चित्रकूट, **श्रीमती साधना श्रीवास्तव**, वित्त अधिकारी, सी.एस.जे.एम.यू. कानपुर, **डॉ0 अनिल कुमार यादव**, कुलसचिव, सी.एस. जे.एम.यू. कानपुर व **डा0 प्रवीन कटियार,** कोआर्डिनेटर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों **इंयाशी तोमर ओजस्वी सिंह व आयुषी**

जे.एम.यू. कानपुर व **डा0 प्रवीन कटियार,** कोआर्डिनेटर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों **इंयाशी तोमर ओजस्वी सिंह व आयुषी** त्रिपाठी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की।

अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति एवं कार्यक्रम अध्यक्ष **प्रो0 नीलिमा गुप्ता** ने बताया कि जगद् गुरू स्वामी श्री राम भद्राचार्य जी को 22 भाषाओं का ज्ञान है। **जगद् गुरू श्री रामभ्रदाचार्य जी** अनेक आश्रम व पीठ हैं। प्रो0 नीलिमा गुप्ता ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण जीवन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मेरी राय में हैप्पीनेस के लिए तीन बातें आवश्यक हैं। 1. शुकराना (Be Thankful) 2. मुस्कुराना 3. किसी का दिल न दुखाना।

यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के **बी.एस–सी. योग पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों** ने हैप्पीनेस के संबंध में आंतरिक शांति व प्रसन्नता से जुड़े हुए योगासन प्रस्तुत किए तथा इंस्ट्रूमेन्टल म्यूजिक व गीत की प्रस्तुतियां दीं।

मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता **जगद् गुरू स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी** ने **'सहज प्रसन्नता के उपाय'** विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि मैं छात्रायें पहले बोलूंगा और छात्र बाद में बोलूंगा। उन्होंने बताया कि

वह हमेशा उद्‌बोधन में बहनों, माताओं, छात्राओं को पहले बोलते हैं। उन्होंने कहा कि 72 वर्ष के अनुभव से उन्होंने जाना है कि प्रसन्नता ही भगवान है। उदासी जीव का लक्षण है। अभीष्ट वस्तुओं का प्राप्त करने की प्रसन्नता क्षणभंगुर है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 95 प्रतिशत बच्चों के चेहरे पर पौने बारह बजा रहता है। पहले लबालब हुआ करता था अब केवल लव (Love) है। उन्होंने बताया कि लव को भी लोग अब नालायक लव कहते हैं। लव को उन्होंने निम्न प्रकार से परिभाषित किया–

L = Lake of Tears, O= Ocean of Sorrows, V= Valley of Death, E=End of Life

उन्होंने कहा कि जीवन को उन्नत बनाने के लिए लव नाम के रोग से मुक्ति पानी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि निष्ठापूर्वक कार्य करना ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। जब कार्य करते–करते हमे पूजा का समय न मिले तब यह सबसे उत्तम क्षण है। अपने कर्मों में कुशलता ही योग है। कर्म को कुशलता से करने पर जो प्रसन्न्ता प्राप्त होती है उसे कोई मिटा नहीं सकता है।

कार्य की सफलता का प्रतिबिम्ब देखकर जो नींद आती है वह करोड़ों सुखों से बड़ी है। संस्कृत में हैप्पीनेस के लिए दो शब्द हैं– 1. प्रसन्नता, 2. प्रसाद। प्रसन्नता स्वाभाविक ईश्वरीय उपहार है। उन्होंने बताया कि सबकुछ ईश्वर का प्रसाद है। प्रसाद परमेश्वर की कृपा है। डिटैचमेंट से प्रसन्नता होती है अटैचमेंट से नहीं। जो व्यक्ति अहम का जितनी मात्रा में पोषण करता है उसे उतना ही अवसाद होता है। अहम को अंग्रेजी में EGO कहते हैं। जहां ईगो होता है वहां भगवान नहीं रहते हैं, वह चले जाते हैं (I – Go)। स्थायी प्रसन्नता अध्यात्मिक सफलता के परिणाम से उत्पन्न होती है। जब व्यक्ति काम करके थकता है तब उसे प्रसन्नता होती है। उन्होंने कहा कि कार्य न होने पर व्यक्ति को निराश नहीं होना चाहिए। कार्य न हो तो भगवान की इच्छा है। कार्य हो

जाय ता परमात्मा का कृपा ह। स्थायी प्रसन्नता क भाव क लिए आध्यात्मिक बनना हागा। सुख और दुख स अलग हटकर जो अनुभूति होती है वही प्रसन्न्ता है। उन्होंने कहा कि भगवान आनदंस्वरूप है। प्रत्येक परिस्थिति को जो व्यक्ति भगवान का प्रसाद मानता है वह कभी दुखी नहीं होता है। जो व्यक्ति भौतिक उपलब्धियों में छोटे–बड़े का भाव रखता है वह कभी प्रसन्न नहीं हो सकता है। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने कहा कि हम निश्चय करें कि प्रत्येक परिस्थिति भगवान का प्रसाद है। जब व्यक्ति अपनी विपत्ति को भगवान का प्रसाद मान लेगा तो वह प्रसन्न रहेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति **प्रो0 नीलिमा गुप्ता** ने शाल उढ़ाकर व एक स्मृति चिन्ह भेंटकर **जगद्गुरू स्वामी श्री राम भद्राचार्य जी** को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डॉ0 अनिल कुमार यादव** ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

व्याख्यान में नगर के गणमान्य व्यक्ति, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक **प्रो0 आर0सी0 कटियार, प्रो0 संजय स्वर्णकार, डा0 संदीप सिंह, डा0 संदेश गुप्ता, डा0 रविन्द्र नाथ, डा0 बृजेश कटियार, डा0 विवेक सिंह सचान, डा0 सिधाशुं राय, डा0 अजय गुप्ता, डा0 धर्म सिंह, डा वर्षा गुप्ता, डा0 अंशू यादव, डा0 सरोज द्विवेदी, डा0 मनोज अवस्थी, डा0 के0के0 पाण्डेय, श्री चन्द्रशेखर कुमार, डा0 राशी अग्रवाल, श्रीमती नेहा शुक्ला, श्री राजीव नयन शर्मा,** स्ववित्तपोषित महाविद्यालय एसोसिएशन के **श्री विनय त्रिवेदी, डा0 बृजेश भदौरिया**, विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव, **श्री ज्ञानेन्द्र शुक्ला, श्री सरस कपूर** व अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस एवं अन्य संस्थानों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कोआर्डिनेटर डा0 प्रवीन कटियार ने किया।

15. नो स्मोकिंग दिवस, 10 मार्च, 2021

दिनांक **10 मार्च, 2021** को **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** एवं **जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, कानपुर** के संयुक्त तत्वाधान में **'नो स्मोकिंग दिवस'** के उपलक्ष्य में धूम्रपान के संबंध में एक स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के **हैप्पीनेस सेंटर** में आयोजित किया गया। इस व्याख्यान का उद्घाटन **मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज, कानपुर व चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 डी0आर0 सिंह, मुख्य वक्ता डा0 रवि कुमार, प्रसिद्ध मानसिक रोग विशेषज्ञ व पूर्व अध्यक्ष, इण्डियन एसोसिएशन आफ साइकियाट्रिस्ट, सेंट्रल जोन, एडीशनल सीएमओ व जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के नोडल आफीसर डा0 महेश कुमार, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अनिल कुमार यादव, जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के डा0 एस0के0 निगम व संस्थान के कोआर्डिनेटर डा0 प्रवीन कटियार** द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

एडीशनल सीएमओ व जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के नोडल आफीसर डा0 महेश कुमार ने कार्यक्रम पर प्रकाश डाला।

डा0 एस0के0 निगम ने धूम्रपान के दुष्प्रभावों के संबंध में बताया।

मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज, कानपुर व चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 डी0आर0 सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है। विद्यार्थी खुद धूम्रपान न करें साथ ही साथ दूसरों को धूम्रपान न करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी एक ग्रुप बनाकर समाज को धूम्रपान के दुष्प्रभाव बतायें तथा जो लोग धूम्रपान कर रहे हैं, उनको धूम्रपान न करने के लिए मोटीवेट करें। विद्यार्थी गांव–गांव और विभिन्न क्षेत्रों में एक समूह बनाकर जायें और इस संबंध में जागरूकता बढ़ायें।

मुख्य वक्ता डा0 रवि कुमार, प्रसिद्ध मानसिक रोग विशेषज्ञ व पूर्व अध्यक्ष, इण्डियन एसोसिएशन आफ साइकियाट्रिस्ट, सेंट्रल जोन ने अपने व्याख्यान में बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू पदार्थों का प्रयोग करने वाले 50 प्रतिशत व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होते हैं। 80 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु तम्बाकू के सेवन के कारण होती है। तम्बाकू का प्रयोग करने वाले 80 प्रतिशत लोग लो एण्ड मिडल सोशियो इकोनोमिक स्टेट्स के होते हैं। भारतवर्ष में 26.6 प्रतिशत व्यक्ति तम्बाकू पदार्थों का सेवन करते हैं। 42.4 प्रतिशत पुरूष एवं 14.2 प्रतिशत महिलायें हैं। उन्होंने डब्लूएचओ की (M-POWER) एमपावर पालिसी के संबंध में बताया–

- Monitor tobacco use and prevention policies (तंबाकू के उपयोग और रोकथाम की नीतियों की निगरानी करें)
- Protect people from tobacco use (व्यक्तियों को तंबाकू के सेवन से बचाएं)
- Offer help to quit tobacco use (तम्बाकू के उपयोग को छोड़ने के लिए सहायता प्रदान करें)
- Warn about the dangers of tobacco (तंबाकू के खतरों के बारे में चेतावनी दें)
- Enforce bans on tobacco advertising (तंबाकू के विज्ञापन पर प्रतिबंध लागू करें)
- Raise taxes on tobacco (तंबाकू पर कर बढ़ाएं)
- World NO Tobacco day – May 31 (विश्व तंबाकू निषेध दिवस–31 मई)
- 2025 Goals (2025 लक्ष्य)

उन्होंने बताया कि लोग सुबह–सुबह कब्जियत को दूर करने के लिए धूम्रपान करते हैं जबकि धूम्रपान या तम्बाकू पदार्थों से कब्जियत (Constipation) होता है। धूम्रपान छोड़ने पर कुछ विथड्राल सिम्पटम होते हैं–जो इस प्रकार हैं:–

- Irritability
- Depression
- Restlessness
- Poor concentration
- Increased appetite
- Sleep disturbance
- Urges to smoke
- Mouth ulcers
- Constipation

उन्होंने कहा कि धूम्रपान छुड़वाने के लिए ABC Approach अपनाना आवश्यक है।

A – Ask whether a person smokes (पूछें कि क्या कि कोई व्यक्ति धूम्रपान करता है)।

B – Give Brief Advice to Quit to all people who smoke & (धूम्रपान करने वाले लोगों को धूम्रपान छोड़ने की संक्षिप्त सलाह दें)

C – Make and offer of and refer to cessation treatment (धूम्रपान समाप्ति के उपचार की सलाह दें)

उपचार में उन्होंने तीन चीजें बतायीं–व्यवहारिक सहायता, दवाओं का प्रयोग, सहायक वातावरण।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति **डा0 अनिल कुमार यादव** ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का संचालन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कोआर्डिनेटर **डा0 प्रवीन कटियार** ने किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक **प्रो0 संजय स्वर्णकार,** संस्थान के शिक्षक **श्री चन्द्र शेखर कुमार**, सहायक मीडिया प्रभारी **डा0 विवेक सिंह सचान,** जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की **श्रीमती निधि बाजपेयी** व अन्य सदस्यगण तथा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

16. आनलाइन योगा सेशन एवं स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान, 21.05.2021

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में दिनांक 21.05.2021 से आनलाइन योगा सेशन एवं स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान प्रारम्भ कर रहा है। आनलाइन योगा सेशन एवं स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान का सजीव प्रसारण फेसबुक लाइव पर होगा।

फेसबुक लाइव आन वेलनेसकान पेज–. https://ww.facebook.com/wellnesscon2020/live_videos/
आनलाइन योगा सेशन एवं स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान का उद्घाटन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी द्वारा दिनांक 21 मई, 2021 को प्रातः 7:10 पर किया जायेगा।
दिनांक 21 मई को निम्नलिखित व्याख्यान होंगे–

समय	विषय	वक्ता	
7:10 AM – 7:30 AM	उद्घाटन भाषण	प्रो0 विनय कुमार पाठक कुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर	
7:30 AM – 8:00 AM	"साक्षी ध्यान द्वारा सकारात्मक मानसिक विकास कैसे?"	डॉ0 ओम प्रकाश आनन्द योगा नेचर केयर विशेषज्ञ, संस्थापक डिवाइन रेकी सेंटर, गीता नगर।	
8:00 AM - 8:30 AM	कोविड–19 पैण्डेमिक में आयुर्वेद कैसे सहायता कर सकता है?	डा0 रविन्द्र पोरवाल बी.ए.एम.एस., एम.डी., पी.एच.डी., आयुर्वेदाचार्य, कानपुर नगर।	
9:00 AM onwards	'Nutritional Resilience to win over COVID'	श्रीमती सेरिल सेलिस फाउण्डर, नर्चर हेल्थ सल्यूशन्स, मुम्बई, रजिस्टर्ड डायटीशियन, नैचुरोपैथ एण्ड सर्टिफाइड डायबिटीज एजूकेटर।	

दिनांक 22 मई को निम्नलिखित व्याख्यान होंगे–

7:00 AM – 8:00 AM	योगा प्रैक्टिस	कु0 सोनाली धनवानी योग शिक्षिका, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।	
8:00 AM – 8:30 AM	अपने फेफड़ों की रक्षा कोविड–19 में कैसे करें?	प्रो0 सूर्यकांत विभागाध्यक्ष, रेसपिरेटरी मडिसिन किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ। नेशनल वाइस चेयरमैन, आई.एम.ए.–ए.एम.एस., आई.एम.ए. हेड क्वार्टर, नई दिल्ली	

8:30 AM Onwards	"पोस्ट कोविड एक्सरसाइज रिलेटेड गाइडलाइन्स एण्ड डायट्री प्रिकाशन्स"	डा0 सरनजीत सिंह फिटनेस एण्ड स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ, लखनऊ	

दिनांक 23 मई से प्रतिदिन सुबह– 7:00 बजे से लेकर 9:00 बजे तक आनलाइन योगा सेशन एवं स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान फेसबुक लाइव आन वेलनेसकान पेज–. https://ww.facebook.com/wellnesscon2020/live_videos/ पर होंगे।

1. 07.11.2021, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

दिनांक **07 नवम्बर, 2021** को **यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस** द्वारा **राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस** के उपलक्ष्य में एक **"कैंसर जागरूकता कार्यक्रम"** यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस के कांफ्रेस हाल में प्रातः 09:00 बजे से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक थे** तथा इस व्याख्यान के वक्तागण थे**–जे0के0 कैंसर संस्थान के पूर्व निदेशक डा0 एम0पी0 मिश्रा, कानपुर के कैंसर सर्जन डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी व ओरल सर्जन डा0 प्रणव ठाकुर।**

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि **प्रो0 विनय कुमार पाठक**, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, वक्तागण–**डा0 एम0पी0 मिश्रा, डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी व डा0 प्रणव ठाकुर,** संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार,** कार्यक्रम संयोजक **डा0 सौमित्र महेन्द्र** व संस्थान के शिक्षकगणों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में वक्ताग्णों ने निम्न विषयों पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए–

वक्ता	विषय
डा0 एम0पी0 मिश्रा **पूर्व निदेशक, जे0के0 कैंसर संस्थान**	**कैंसर के प्रारम्भिक अवस्था पता चलने के लिए डायग्नोस्टिक टूल्स एवं पद्धतियां** **(Diagnostic Tools and Modalities in Early Cancer Detection)**
डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी **कैंसर सर्जन, कानपुर**	**सामान्य कैंसर के विषय में जानकारी।** **(Awareness about Cancer- General Cancer & Oncology)**
डा0 प्रणव ठाकुर **ओरल सर्जन**	**मुख कैंसर व प्रीमैलिगनेंट स्थितियों के विषय में जागरूकता।** **(Awareness about Oral Cancer and Premalignant Lesion)**

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि **प्रो0 विनय कुमार पाठक** ने अपने उद्बोधन में कहा कि कैंसर एवं उससे बचाव के उपायों के संबंध में सभी को जानकारी होना आवश्यक है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में कैंसर के संबंध में जागरूकता को बढ़ायेगा। उन्होंने कहा कि आर्टिफीशियल इन्टेलीजेंस एवं नवीन तकनीक से कैंसर के प्रारंभिक अवस्था में डिटेक्शन में सहायता मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस प्रसिद्ध चिकित्सकों के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर नियमित रूप से स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान आयोजित करे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाकर इस संबंध में जागरूकता बढ़ाये।

प्रथम व्याख्यान के के विषय था– **कैंसर के प्रारम्भिक अवस्था पता चलने के लिए डायग्नोस्टिक टूल्स एवं पद्धतियां (Diagnostic Tools and Modalities in Early Cancer Detection) ।**

डा0 अरूण प्रकाश द्विवेदी ने **सामान्य कैंसर के विषय में जानकारी। (Awareness about Cancer- General Cancer & Oncology)**

डा0 प्रणव ठाकुर ने **मुख कैंसर व प्रीमैलिगनेंट स्थितियों के विषय में जागरूकता (Awareness about Oral Cancer and Premalignant Lesion)** के संबंध में बताया कि नशे की लत अपने आप को कैंसर रूपी खाई में धकेलता है। उन्होंनें तम्बाकू में पाये जाने वाले नाइट्रोसो–एन निकोटीन नामक कार्सिनोजेन के बारे में बताया, जिसमें कैंसर सेल को पनपने देने की क्षमता होती है।

कार्यक्रम में संस्थान के **एम.पी.टी., एम–एस.सी. एम.एल.टी., बी.पी.टी, बी.एस–सी. मेडिकल माइक्रोबायोलाजी, बी.एस–सी. योगा** व **अन्य पाठ्यक्रम के विद्यार्थी** उपस्थित थे। शिक्षकगणों में संस्थान के शिक्षक **डा0 दिग्विजय शर्मा, डा0 वर्षा प्रसाद, सुश्री हिना, कु0 आकांक्षा बाजपेयी,** विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों के शिक्षक **डा0 रविन्द्र नाथ कटियार, डा0 प्रवीन भाई पटेल, श्री रामेन्द्र सिंह निरंजन एवं सह मीडिया प्रभारी डा0 विवेक सिंह सचान** उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार एवं** कार्यक्रम संयोजक **डा0 सौमित्र महेन्द्र** द्वारा किया गया।

1. 01 दिसम्बर, 2021, विश्व एड्स दिवस

दिनांक **01 दिसम्बर, 2021** को यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेस, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा **विश्व एड्स दिवस** पर **Past, Present & Future of HIV** विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान संस्थान के कांफ्रेस हाल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव,** मुख्य वक्ता **डा0 राहुल मिश्रा,** सेकेट्री जनरल, एच.आई.वी. वेलफेयर सोसाइटी आफ इण्डिया, संस्थान के निदेशक, **डा0 प्रवीन कटियार** तथा हिन्द मेडिकल कालेज में एनाटमी विभाग के पूर्व प्रोफेसर **डा0 आर0के0 श्रीवास्तव** द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव** ने सभी का स्वागत किया तथा उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि एच.आई.वी. एड्स के संबंध में जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी स्वयं जागरूक रहकर इस बीमारी से बच सकते हैं। साथ ही साथ समाज में इस संबंध में जागरूकता बढ़ा सकते हैं।

मुख्य वक्ता **डा0 राहुल मिश्रा,** सेकेट्री जनरल, एच.आई.वी. वेलफेयर सोसाइटी आफ इण्डिया ने अपने व्याख्यान में बताया कि पूरे विश्व में विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 में 3,77,00,000 व्यक्ति एच.आई.वी. संक्रमण के साथ जी रहे हैं। वर्ष 2020 में एच.आई.वी. एवं संबंधित कारणों से 6,80,000 व्यक्तियों की मृत्यु हुयी है। वर्ष 2020 में 15,00,000 नये संक्रमण हुए है। उन्होंने बताया कि इस बार की विश्व एड्स दिवस की थीम है–End Inequalities. End AIDS. भारतवर्ष में एच.आई.वी. संक्रमण के आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि भारत वर्ष विश्व में एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों के मामले में तीसरे पायदान पर है। भारत वर्ष में 23.5 लाख लोग एच.आई.वी. संक्रमित हैं। प्रति वर्ष 69000 नये संक्रमण होते है तथा लगभग 59000 व्यक्तियों की मृत्यु एच.आई.वी./एड्स से होती है।

एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति में क्या कोविड–19 होने का संक्रमण अधिक रहता है? इस पर डा0 राहुल मिश्रा ने बताया कि हम यह मान कर चल रहे हैं एच.आई.वी. संक्रमित वो व्यक्ति जो कि उचित प्रकार से एंटी रेटरोवायरल थिरैपी ले रहे हैं उनमें तथा सामान्य व्यक्तियों में कोविड–19 का खतरा लगभग बराबर है। उन्होंने विद्यार्थियें को बताया कि हम सभी मिलकर इस बीमारी से लड़ सकते हैं। हमें एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सद्भावनापूर्ण व्यवहार रखना है, उनकी उपेक्षा नहीं करनी है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव **डा0 अनिल कुमार यादव** एवं संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार** ने मुख्य वक्ता डा0 राहुल मिश्रा को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के निदेशक **डा0 प्रवीन कटियार** ने किया।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइसेंस के शिक्षक **श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती नेहा शुक्ला, डा0 के0के0 पाण्डेय, श्री आदर्श श्रीवास्तव, कु0 आकांक्षा बाजपेयी, सुश्री अमीना जैदी, डा0 अनामिका दीक्षित, प्रो0 आर0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 राम किशोर,** सह मीडिया प्रभारी **डॉ0 विवेक सिंह सचान** एवं अन्य शिक्षकगण तथा संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी उपस्थित थे।